राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1222

3 दिसम्बर, 2014 को उत्तर के लिए

देश में लौह-अयस्क के प्रमुख क्रेता

1222. डॉ. सत्यनारायण जटिया:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान देश में लौह अयस्क के प्रमुख उपभोक्ता/खरीददार कौन-कौन से हैं और प्रति वर्ष प्रत्येक उपभोक्ता को वर्ष की अधिकतम दर पर कितनी मात्रा में लौह-अयस्क प्रदाय किया गया तथा इन वर्षों में प्रति सम्बद्ध वर्ष में तैयार इस्पात के प्रति टन अधिकतम बाजार मूल्य क्या थे; और

(ख) उद्योग और उत्पादन के संदर्भ में सरकार की क्या इस्पात नीति है?

उत्तर

इस्पात और खान राज्य मंत्री **श्री विष्णु देव साय**

(क) लोहा एवं इस्पात के नियंत्रणमुक्त क्षेत्र में होने के नाते लौह-अयस्क की प्राप्त की जाने वाली मात्रा, इसकी कीमत, फिनिश्ड इस्पात की कीमत से संबंधित निर्णय देश में लौह-अयस्क के निजी उपभोक्ताओं/खरीदारों द्वारा वाणिज्यिक हितों को ध्यान में रखकर किए जाते हैं।

(ख) घरेलू इस्पात क्षेत्र में लौह-अयस्क की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने दिनांक 30.12.2011 से लौह-अयस्क पर यथामूल्य 30 प्रतिशत और दिनांक 27.01.2014 से लौह-अयस्क पेलेट्स पर यथामूल्य 5 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाकर राजकोषीय उपाय अपनाए हैं।

***